स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

एम.एस.के.-005 : वैदिक वाङ्मय एवं भारतीय संस्कृति और सभ्यता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी*** *प्रश्न अनिवार्य हैं । इस प्रश्न-पत्र में* ***तीन*** *खण्ड हैं । प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : *5×10=50*

(क) संस्कृति और सभ्यता में अन्तर स्पष्ट कर विशेषताएँ लिखिए ।

(ख) रामायणकालीन संस्कृति का महत्त्व लिखिए ।

(ग) 'सामनस्य सूक्त' के आधार पर परिवार की संकल्पना स्पष्ट कीजिए ।

(घ) 'पुरुष सूक्त' का सार अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए ।

(ङ) प्राचीन भारत की शिक्षा का स्वरूप लिखिए ।

(च) यॉस्कानुसार निर्वचन के सिद्धांतों का वर्णन कीजिए ।

(छ) उपनिषद के अर्थ, महत्त्व तथा प्रतिपाद्य विषयों पर लेख लिखिए ।

खण्ड ख

2. निम्नलिखित मन्त्रों में से किन्हीं ***दो*** मन्त्रों की व्याख्या कीजिए : *2×5=10*

(क) अहं राष्ट्री संगमनी वसूनां
चिकितुषीं प्रथमा यज्ञियानाम् ।
तां मा देवा व्यदधुः पुरूत्रा
भूरिस्थात्रां भूर्यावेशयन्तीम् ।।

(ख) कामस्तदग्रे समवर्ततााधि
मनसो रेतः प्रथमं यदासीत् ।
सतो बन्धुमसति निरविन्दन्
हृदि प्रतीष्या कवयो मनीषा ।।

(ग) येनेदं भूतं भुवनं भविष्यत्परिग्रहीतममृतेन सर्वम् ।
येन यज्ञस्तायते सप्तहोता तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु ।।

(घ) अग्निर्होता कविक्रतुः सत्यश्चित्रश्रवस्तमः देवो देवेभिरा गमत् ।

खण्ड ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** विषयों पर टिप्पणी लिखिए : *5×6=30*

(क) यजुर्वेद का वर्ण्यविषय

(ख) अथर्ववेद के कल्पसूत्र

(ग) उपनयन संस्कार

(घ) आचार्य शब्द की निरूक्तियाँ

(ङ) वैदिक शिक्षा की विशेषताएँ

(च) रामायणकाल में वर्ण व्यवस्था

(छ) इन्द्रसूक्त के अनुसार इन्द्रदेवता की विशेषताएँ

4. निम्नलिखित सूत्रों में से किन्हीं ***दो*** सूत्रों की व्याख्या कीजिए : *2×5=10*

(क) छन्दसि वाऽप्राग्रेडितयो:

(ख) कालसमयवेलासु तुमुन्

(ग) सख्युर्य

(घ) ब्रह्मणस्त्व:

(ङ) स्यश्छन्दसि बहुलम्

(च) दाश्वान्साहवान्यीढवांश्च